

---

## Sudarshanashatkam 2

---

# सुदर्शनषट्कम् २

---

## Document Information



---

Text title : sudarshanaShaTkam 2

File name : sudarshanaShaTkam2.itx

Category : vishhnu, ShaTkam

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : Edited by S. V. Radhakrishna Shastriji

Acknowledge-Permission: Mahaperiaval Trust

Latest update : May 13, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 30, 2019

*sanskritdocuments.org*

---



सुदर्शनषट्कम् २

---



सहस्रादित्यसङ्काशं सहस्रवदनं परम् ।  
सहस्रदोस्सहस्रारं प्रपद्येऽहं सुदर्शनम् ॥ १ ॥  
रणत्कङ्किणिजालेन राक्षसघ्नं महाद्भुतम् ।  
व्याप्तकेशं विरूपाक्षं प्रपद्येऽहं सुदर्शनम् ॥ २ ॥  
प्राकारसहितं मन्त्रं वदन्तं शत्रुनिग्रहम् ।  
भूषणैर्भूषितकरं प्रपद्येऽहं सुदर्शनम् ॥ ३ ॥  
पुष्करस्थमनिर्देश्यं महामन्त्रेण संयुतम् ।  
शिवं प्रसन्नवदनं प्रपद्येऽहं सुदर्शनम् ॥ ४ ॥  
हुङ्कारभैरवं भीमं प्रपन्नार्तिहरं प्रियम् ।  
सर्वपापप्रशमनं प्रपद्येऽहं सुदर्शनम् ॥ ५ ॥  
अनन्तहारकेयूरमुकुटादिविभूषितम् ।  
सर्वपापप्रशमनं प्रपद्येऽहं सुदर्शनम् ॥ ६ ॥  
एतैष्वङ्घ्रिस्तुतो देवो भगवाञ्छ्रीसुदर्शनः ।  
रक्षां करोति सर्वत्र सर्वत्र विजयी भवेत् ॥ ७ ॥  
इति सुदर्शनषट्कं २ सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

